University in News on 26 February 2020

Amar Ujala- My City Page 5

एलयू को मिले 25 लाख के रिसर्च प्रोजेक्ट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन काम करने वाले साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) से करीब 25 लाख रुपये की लागत वाले दो रिसर्च प्रोजेक्ट मिले हैं। इन प्रोजेक्ट पर फिजिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन काम करेंगी। साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड से मिले इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज ऑफ फ्लूरोसेंट मेटल नैनोक्लस्टर विषय का प्रोजेक्ट 6,60,000 रुपये का है। इस पर प्रो. पूनम टंडन काम करेंगी। जबकि 18 लाख 96 हजार 400 रुपये के डवलपमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ न्यू सॉलिड फॉर्म्स ऑफ एक्टिव फॉर्मास्यूटिकल इंग्रीडेंट्स यूजिंग वायब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटम केमिकल, प्रोजेक्ट पर प्रो. टंडन के साथ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मास्यूटिकल एंड एजुकेशन रिसर्च के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार बंसल भी काम करेंगे।

NBT Page 7

एलयू में सीनियर बनेंगे जूनियर स्टूडेंट के मेंटर

जल्द शुरू होगा ट्री प्रोग्राम, पीजी स्टूडेंट्स और स्कॉलर्स को मिलेगा जिम्मा

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही स्टूडेंट्स को बेहतर गाइडेंस देने के लिए ट्री (टीचिंग रीचिंग एम्बॉल्डिंग इवॉल्विंग) प्रोग्राम ला रहा है। इस प्रोग्राम के तहत पीजी स्टूडेंट्स और रिसर्च स्कॉलर्स पांच या उससे ज्यादा स्टूडेंट्स को अकैडमिक गाइडेंस देने के अलावा करियर काउंसलिंग भी करेंगे। इसके लिए हर सीनियर को स्टूडेंट्स को समय देना अनिवार्य होगा।

मर्जी से दे सकते हैं नाम

विवि प्रशासन के मुताबिक किस तरह की बुक पढ़नी है? कौन से रेफरेंस यूज करने हैं? किस तरह की प्रतियोगिताएं वह दे सकते हैं? किस तरह से प्रॉजेक्ट तैयार करने हैं? इसकी गाइडेंस सीनियर्स अपने जूनियर्स को देंगे। कोई भी सीनियर स्टूडेंट अपनी मर्जी से मेंटरशिप के लिए जूनियर स्टूडेंट का नाम दे सकता है। इससे दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग होगी। साथ ही विवि में एक अच्छा माहौल पैदा होगा।

मिलेगा सर्टिफिकेट

मेंटोरशिप करने वाले स्टूडेंट्स को संबंधित विभाग सर्टिफिकेट भी देगा, जो आगे चलकर उनके करियर के लिए भी मददगार होगा।